PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Amar Ujala, Delhi
Monday, 11th July 2011, Page: 16
Width: 9.96 cms Height:: 13.36 cms, Ref: pmin.2011-07-11.51.50

अब मोबाइल पर मिलेंगे दवाओं के विकल्प

विजय गुप्ता

नई दिल्ली। डॉक्टर के पर्चे पर लिखी दवा उपलब्ध न होने की बात कहकर किसी अन्य कंपनी की दवा देकर मरीज से ऊंचे पैसे वसूल करने की दवा विक्रेताओं की मनमानी अब नहीं चलेगी। आम आदमी को रियायती दरों पर बेहतर दवा के ढेरों विकल्प अब सरकार उपलब्ध कराएगी। इसके लिए बस मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर दवा का नाम लिखकर एक विशेष नंबर पर एसएमएस करना होगा। मैसेज भेजने वाले को कुछ ही क्षणों में एसएमएस के जरिए बाजार में उपलब्ध बेहतर दवाओं के ढेरों नाम की जानकारी मिल जाएगी।

केंद्रीय उर्वरक एवं रसायन राज्यमंत्री श्रीकांत जेना के मुताबिक इस योजना से न सिर्फ मरीज को बेहतर दवा की जानकारी मिलेगी बल्कि जबरन किसी अन्य कंपनी की महंगी दवा खरीदने के लिए भी उसे बाध्य नहीं होना पड़ेगा। यही नहीं सर्दी, जुकाम, बुखार, दर्द, पेचिस जैसे रोगों के लिए उसे बार-बार डॉक्टरों के यहां चक्कर भी नहीं लगाने होंगे। सरकार का इरादा आम आदमी को रियायती

सरकार एसएमएस के जरिए देगी जानकारी

डॉक्टर व विक्रेताओं की मनमानी पर रोक लगाने की कवायद

दरों पर दवा उपलब्ध कराने के साथ ही डॉक्टर व दवा विक्रेताओं की मनमानी से छुटकारा दिलाना है। जेना के मुताबिक नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइजिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) ने इस योजना को तैयार किया है। जल्द ही इसे पेश किया जाएगा। उसी समय एसएमएस भेजने के लिए खास नंबर की भी घोषणा की जाएगी। यह योजना पूरे देशभर में चरणबद्ध ढंग से लागू की जाएगी। इसके तहत यदि उपभोक्ता मेडिकल स्टोर से खांसी की दवा कोडीन सल्फेट लेने जाता है और उसे नहीं मिलती है तो वह एसएमएस में इसका नाम लिखकर भेजेगा। उत्तर में उसे खांसी की अन्य दवाओं जैसे ट्रायोनीनडॉन, एलसीजेड सहित अन्य नाम सुझाए जाएंगे।